Nai Dunia (Indore), 07th December 2021, Page-2

आइआइटी इंदौर में विज्ञान सम्मेलन 22 से

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन 22 से 25 दिसंबर के बीच होगा। इसकी तैयारी हो चुकी है और महामारी के तीसरे चरण की आशंका को देखते हुए कुछ कार्यक्रमों को आफलाइन और कुछ को आनलाइन करने की योजना बनाई जा रही है। 23 दिसंबर को एमएसएमई मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा भी उपस्थित होंगे।

सम्मेलन में देशभर के करीब एक हजार प्रतिभागी शामिल होने की उम्मीद हैं। कई आइआइटी के प्रोफेसर और विज्ञान के विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। इसके लिए आइआइटी इंदौर परिसर के अलावा शहर के अन्य कालेजों में भी आयोजन कराए जाएंगे। इससे एक जगह पर भीड़ की स्थिति नहीं बनेगी। कार्यक्रम समन्वयक डा. संतोष विश्वकर्मा ने बताया कि शोध से संबंधित प्रोजेक्ट और इसमें से कुछ प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट दिखाए जाएंगे। सेमीकंडक्टर विषय पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। कई कांफ्रेंस होंगी जिसमें विज्ञान से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञ बात करेंगे। महामारी के तीसरे चरण की आशंका को देखते हुए कार्यक्रम का इंटरनेट मीडिया पर सीधा प्रसारण भी किया जाएगा।

संस्थान का दावा- पेप्टाइड प्रोटीन खोजा इससे कोरोना का प्रभावी इलाज संभव

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी, इंदौर) ने दावा किया है कि उन्होंने कोरोना का प्रभावी इलाज खोज लिया है। उन्होंने पेप्टाइड नाम का प्रोटीन खोजा है जिसका उपयोग कोरोना संक्रमण के इलाज के लिए दवा बनाने में किया जा सकता है। इससे न केवल कोरोना का इलाज हो सकता है अपितु संक्रमण को दूर भी रखा जा सकेगा। संस्थान के प्रोफेसर डा. मिर्जा एस.बेग का दावा है कि ओमिक्रोन सहित सभी तरह के वैरिएंट पर यह दवा प्रभावशाली रहेगी। संस्थान ने इरास्मस यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर नीदरलैंड्स और जापान के इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबियल केमिस्ट्री के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर शोध किया है।